मध्य प्रदेश संरक्षित वन ननयम, 1950

1.नियम 1
2.नियम 2
3.नियम 3
4.नियम 4
5.नियम 5
6.नियम 6
7.नियम 7
8.नियम 8
9.नियम 9
10.नियम 10
11.नियम 11
12.नियम 12

मध्य प्रदेश संरक्षित वन ननयम, 1950

(धारा 32 एवं 76 के अन्तर्गत)

अधिसूचिाक्र 8476-8414-X-60दि० 2-9-60[(मध्यप्रिेशराजपत्रभाग (4) (सामान्य) पृष्ठ 893 दि०2-9-60परप्रकाशशत]

भारतीयविनियम 1927 (क्र०16 वर्ष 1927) कीिारा 32 एवं 76 केखण्ड(ड)द्वाराप्रित्तशक्ततयोंकोप्रयोगमेंलातेहुएएवंइसववर्यपरपूवषमेंबायेसभीनियमोंकोसमाप्तकरतेहुएराज्यशासिएतिद्वारासंरक्षितविंकेशलंयेनिम्िशलखखतनियमबिाताहै -

ननयम

1. संक्षिप्तनाम–

इसिनयमकासंक्षिप्तिाामम.प्र.संरक्षितिवनियम1950होगा।इसनियममेंजबतककोईबातववर्ययासन्िभषकेववरुद्िहो-

(क)"**अधधननयम**' ' सेतात्पयषभारतीयविअधिनियम, 1927 (1927 का 16) सेहै। (ख)"कृर्क" सेतात्पयषउसव्यक्ततसेहैजोखुिकाश्तकरेयाजोसामान्यत: स्वत: काश्त करताहोक्जसमें**कृषि** मजिूरएवंग्रामीणशशल्पीसक्म्मशलतहै :

(ग)**“सारांशीकरण"**सेतात्पयषसंरक्षितविसेशसर्षसमुधचतमात्रामेंनिस्तारयापैिावार सद्भावपूणषघरउपयोगयाउपजीववकाकायषकेशलयेककन्तुवस्तुववनिमय, ववक्रययाििुरुपयोगकेशलयेिहो, प्राप्तकरिेकीसुवविाकेबिलेमेंनिक्श्चतराशशपूरेवर्षमें एकबारिििेसेहै।

(घ)"**अनुज्ञप्प्त**" सेतात्पयषइिनियमोंकेअन्तगषतअधिकृतअधिकारीद्वाराप्रित्तअिुज्ञक्प्त सेहै-

(ङ)**“ननस्तार"** केअर्षमेंनिम्िशलखखतसक्म्मशलतहै-

(1) काश्तकारीऔजारों, ियेमकािों केनिमाषण, मकािोंकीमरम्मतऔरकाश्तकारोंकेमवेशीकोठाकेशलयेआरक्षितवृिोंयाइससम्बन्िमेंववशेर्रूपसेस्वीकृतरक्षितवृिोंकीइमारतीलकड़ी।

(2) सूखीधगरीलकड़ीजोइमारतीलकड़ीकेउपयुततिहो।

(3) सूखेबॉसवहरेबॉसजहाँववशेर्रूपसेबतायेहों।

(4)रूमा, खसयासवाईघासकोछोडकरघास।

(5) खैरएवंब्रशबुडकोछोडकरकाटे।

(6) तेन्िूपत्ताछोडकरपत्ते।

(7) अिारक्षितझाड़ोंकीछालयावल्कल।

(8)औरसतहीबोल्डर, मुरुम, रेत, छुईशमटटीऔरधचककीशमटटी।

(च)‘’पैिावार’’काअर्षएवंउसमेंसक्म्मशलतहैसमस्तखािियोगजडें,लर्एंवंर्ूल,कुल्लू वृिकेगोंिकोछोडकरप्राकृनतकरूपसेनिकलागोंि,मोमवशहि।

(छ)उपजीववकानिरस्तसेतात्पयषहैजीववकोपाजषिकेशलयेककसीिििेकोचलािेकेशलये

आवश्यकिनरस्तसेहै।

(ज)‘’पास’’इिनियमोंकेअंतगषतयातरसमयप्रभावशीलकोईअन्यववधि,नियमिओशके अंतगषतप्राधिकृतअधिकारीद्वारादियापासक्जसमेंसारांशीकरणपासभीसक्म्मशलतहै

2. इसमेंइसकेपश्चात्नियमोंकेउपबन्िोंकेअध्यीिरहतेहुएग्रामयाग्रामोमेंरहिेवालेयाजमीििारणकरिेवालेकृर्कोंकोतत्समयप्रभावशीलनियमयाआिेशकेअिुसार, क्जससंरक्षितविसेवेसम्बद्िककयेगयेंहों, उससंरक्षितविसेउिकीआवश्यकतािुसारनिस्तारमुफ्तमेंयारकमपटाकरप्राप्तकरिेकीअिुमनतिीजावेगी।

स्पष्टीकरण---(1) अशभव्यक्ततनिस्तारआवश्यकतायापैिावारआवश्यकतासेतात्पयषनिस्तारअर्वापैिावारकासद्भावपूणषघरुउपयोगकेशलयेआवश्यकताहैऔरिाि, वस्तुववनिमयववक्रय, नियाषतिुरुप्रयोगिहीहै।

(2) उपनियम (1) केअन्तगषतस्वीकृतनिस्तारएवंपैिावारआवश्यकताकीमात्राप्रत्येकव्यक्ततकीवास्तववकआवश्यकताएवंनिस्तारसामग्रीकीउपलब्िताकेअध्यीिहोगी।जहांकुलआवश्यकतासेकमनिस्तारसामग्रीउपलब्िहोगी, वहााँनिस्तारसामग्रीकोसाम्यरूपसेयुक्ततसंगतरूपसेववतररतककयाजावेगा।

(3-अ) विमण्डलाधिकारीसमय-समयपरितत्रनििाषररतकरेंगेक्जसमेंसेप्रत्येकवर्षनिस्तारप्राप्तककयाजावेगाऔरग्रामीणकेवलउसीिेत्रसेअपिानिस्तारप्राप्तकरेंगे।

(ब) विमण्डलाधिकारीसमय-समयपरउपजीववकानिस्तारकेउपयोगकेशलयेसमुधचत िेत्र, ववनिदिष्टएवंसुरक्षितकरेंगेएवंनियम (2) केअन्तगषतकृर्कोंकी ' 'निस्तार' ' एवंपैिावारकीआवश्यकताओंकीपूनतषकेबाििोहिउपलब्िताकेअन्तगषतशेर् मात्राइसहेतुनिक्श्चतकरेंगे।

(4-अ) कलेतटरसमय-समयपरविमण्डलाधिकारीकीसलाहसेएवंतत्समयप्रभावशीलनियमएवंआिेशोंकेअिुसारग्रामोंकोववनिदिष्टकरेगा, जहााँकेनिवाशसयोंको

उिकेनिस्तारवपैिावारकीआवश्यकतासारांशीकरणशुल्कपटाकरप्राप्तकरिेकीअिुमनतिीजावेगी।

(ब) उपनियम(अ)केअध्यीिरहतेहुएसारांशीकरणउन्हींग्रामीणोंकोस्वीकृतकीजावेगीजोतत्समयप्रभावशीलनियमयाआिेशकेअिुसारसारांशीकरणशुल्कपटाकरसारांशीकरणपासप्राप्तकरलेगा।

(5-अ) कोईभीव्यक्ततबबिापासयाववधिवत्अिुज्ञक्प्तके, संरक्षितविोंसेअपिीनिस्तारआवश्यकताप्राप्तिहीकरसकेगाजबतकककइससम्बन्िमेंविमण्डलाधिकारीकेववशशष्टयासामान्यशलखखतआिेशोंद्वाराछूटप्राप्तिहो।

(ब) विमण्डलाधिकारीपासोंकेववतरणकानियंत्रणकरेगा।

(स) जबतकउपनियम (1) केअन्तगषतविमण्डलाधिकारीद्वाराछूटप्राप्तिहो, प्रत्येकव्यक्ततअपिेसार्निस्तारपासयावैिअिुज्ञक्प्तरखकरनिस्तार' लेिेकेशलयेसंरक्षितविमेंप्रवेशकरेगाऔरइिनियमोंकेअिुसारनिस्तारप्राप्तकरेगा ।

3. संरक्षित वनों का दोहन ननम्न शतो के अध्यधीन होर्ा-

(अ-1) ककसीवृिकेचारोंओरकाटकरिेरािहींबियाजावेगायाकार्ीऊपरसेकाटकरमुण्डािहींककयाजावेगायाउसकीडालेंिहींकाटीजावेंगी।

(अ-2) गोंियारालकेसंग्रहणकेउद्िेश्यसेककसीवृिमेंघाविहींककयेजावेंगे।

(3) ककसीवृिकोउखाड़ा, जलायायाअन्यककसीप्रकारसेिुकसाििहींपहुाँचायाजावेगा।

(4) धगरािेकेशलयेववशेर्रूपसेधचक्न्हतयाविमण्डलाधिकारीकेसामान्यआिेशसेकाटियाहटािेकेशलयेस्वीकृतवृिकेशसवाकोईवृिकाटािहींजावेगा।

(5) कोईभीवृिजोछातीऊाँचाई (िीचेसे 135 से०मी०)पर 9 इंचया 22 .5 से०मी०सेकमहो, िहींकाटेजावेंगे।

(6) (अ) समस्तकाटिवालेवृ ो ंकोयर् ा-सम्भवभूशमकेसंलग् सेकाटेजावेंगे।

(ब) वृ ो ंकीजड़ोंकोि ुकसा िहीपहुँचायाजावेगा।केवलपलासकीजड़कोरस्सीके शलयेखोि ाजासकताहैककन्तुककसीभीि शामेंजड़केएकनतहाईभागसेअधिक जड़काभागिहींनिकालाजावेगा, ताककशेर्जड़सेवृ जीववतरहसके।(स) निम् शलखखतनियमोंकेअध्यीि रहतेहुएकेवलकोहावृ कीछालकोवि मण्डलाधिकारीकीशलखखतस्वीकृनतसेनिकालाजासकताहै।इसकेअनतररतत अन्यककसीवृ कीछालिहींनिकालीजावेगी-

(स-1) छातीऊँचाई (जमीि से 135 से०मी०ऊपर) पर 3-6’’ या (105 से०मी०)सेअधिकमोटाईवालेवृ ो ंकेतिोंकेपूवीभागकाहीछाल, ववशेर्प्रकारकेछालनिकालिवालेहथ्यारसेनिकालीजावेगी।छालउतारीि हींजावेगीबक्ल्क 5 से०मी०से2.5 से०मी०केचौखाि ेमेंछालनिकालीजावेगीतर् ावृ कीअन् रूि ीसतहकोहानिि हींपहुँचाईजावेगी।छालनिकालिेकीलाइिोंकेबीच 5 से०मी०कीि ूरीरखीजावेगी।

(स-2) छालजिवरीएवंजूि केमध्यहीनिकालीजावेगी।

(3) वृ सेएकसालछालनिकालिेकेबाि तीि सालतकपुि: उससेछालिहींउतारी जावेगी।

(1)ऐसीछालभरतीगाड़ी 5(पाँचरुपये) ररयायतीि रपरयासमय-समयपरराज्यशासि द्वारानिि ाषररतिरसेि ीजावेगी।

(ि) बांसनिम् शतोंकेअध्यीि काटाजावेगा-

(1) बांसकेकूपोंकाकटाईकाक्रम 4 वर्षहोगी।वावर्षककटाईकेकूपको 4 संभागोंमेंववभाक्जतककयाजावेगातर् ाबाँसकीकटाईक्रमाि ुसारसंभागवारकीजावेगीअर् ाषत्सेत शि "ि ो" मेंकटाईजबतकिहींकीजाबेगीजबतकसेतशि "एक" मेंकटाईकाकायषनियमाि ुसारसन्तोर्प्रिढंगसेपूणषिहोजावे।

(2) प्रर्मवर्षकाअपररपतवबांस "करला" यागयेवर्षबांस "मदहला" िहींकाटाजावेगा

(3) बांसकीजड़िहींखोि ीजावेगी।

(4) ऐसेबाँसकेशभरेमें, क्जसमेंकरलावमदहलासदहत, सबांससेकमहो, कटाई िहींकीजावेगी।

(2)ऐसेबाँसशभरेमेंक्जसमें 10सेअधिकबाँसहों, (उिबांसोंकोछोडकरजो 18"ृ ृ=45 से०मी०सेकमऊँचाईपरटूटेहो) शेबाँसोंकोपूरेशभरेमेंसुसंगतरूपसेछोड़ाजावेगातर् ाछोड़ेगयेपकेबाँसोंकीसंख्या (मदहलाकोछोड़कर) उसशभरेमें "करला" बाँसकीसंख्याकीि ुगुि ीसेकमिहोगीबशते 10 जीवन्तबाँसशभरेमेंन्यूि तमहै।

उदाहरण-ककमीबाँसकेशभरेमें 3 करला, 5 मदहलाएवं 9 अन्यपकेबाँसकुल 17 बाँसहैं

इसशभरेमें 3 करलाकेि ुगुि ेअर् ाषत् 6 पकेबाँसरोकेजाि ाहैलेककियहसंख्या10सेकमहैअत: 7 पकेबाँसरोकेजावेंगेअर् ाषत्शभरेमें 3 करला, 5 मदहलाएवं 7 पकेबाँसरोकेजाकरिपकेबाँसकाटेजावेंगे।

(6) कटिवालेबांसकोजमीि सेगठाि ऊपरकमसेकम 6" या 15 से. मी० अधिकतम 18" =45 से०मी०केबीचमेंकाटिाचादहये।

(7) बाँसतेजिारवालेऔजारसेकाटाजावेगाताककबाँसकेएकठूंठिर्टे।

(8) बाँसकेबंडलगठठेबाँि िेकेशलयेककसीभीि शामेंकरलावमदहलाबाँसिहीं काटाजावेगा।

(ई) खजूरकेवृ ो ंसेरसनिकालिेकीप्रकक्रयानिम् शतोकेअीि कीजावेगी-

(1) यदिकोईखजूरवृ भूशमसे, उगतीहुईडालीकेतलेतक 6'= 180 से०मी०से कमहोतोउसवृ सेरसनिकालिेकीप्रकक्रयाि हींकीजावेगी।

(2) ककमीभीएकवर्षमें, वृ केतिेमेंएकस् ाि पररसनिकालिेकीप्रकक्रयाउगती डालीकेतलपर, कीजावेगी।

(3) वृ िसेरसनिकालिकीप्रकक्रयामेंअि ावश्यकरूपसेपत्तेि हींकाटेजावेंगे, और छेि इसप्रकारिककयेजावेंककवृि मरजावें।

(एर्)(1) इनियमोंकेप्राविाि ोंकेअध्याि ीि रहतेहुए, संरक्षितविकीलघुवि उपजविमण्डलाधिकारीद्वाराउसीप्रकारववक्रयकीजावेगी, क्जसप्रकार आरक्षितविमेंकीजातीहै।

(2) सभीविउपज, विमण्डलाधिकारीकेप्राधिकारद्वाराप्रित्तपास, याइि नियमोंयातत्समयप्रभावशीलककसीववधिकेअन्तगषतविमण्डलाधिकारी केप्राधिकारकेजारीअिुज्ञाकेअन्तगषतहीसंरक्षितविसेहटाईजावेगी।

(3) सूयाषस्तएवंसूयोि यकेमध्यकोईभीविउपजिहींलेजाईजावेगी।

(4) विमण्डलाधिकारीद्वाराइसनिशमत्तनिदिष्टििेत्रकेअनतररततअन्यिेत्र में 'ि दहया' या 'बेवर' कृवर्कीअिुमनतिहींि ीजावेगी।

4.विोपजकोहटािे यावविनयोक्जतकरिेकेशलयेपासयाअिुज्ञाि ारीव्यक्तत, जिवहसंरक्षितविमेंउपरोततकायषकेसम्बन्ि मेंप्रवेशकरेतोअपिेआधिपत्यमेंपासयाअिुज्ञाअवश्यरखेगाऔरककसीविअधिकारीद्वारामांगेजािे परप्रस्तुतकरेगा :

परन्तुऐसेव्यक्ततकेसम्बन्ि मेंयहनियमलागूि हींहोगाक्जसेअकालयासूखाकेसमयराज्यशासिद्वाराबबिापासवि-उपजलेजािे कीअिुमनतिीहो।

5विसंरिकसमय-समयपरसंरक्षितविोंसेनिकालीजािे वालीप्रत्येकवि-उपजकेशलयेि रनिि ाषररतकरेगा।

6 (1) संरक्षितविकेपांचककलोमीटरकेभीतरयदिकोईव्यक्ततजंगलयाघासजमीि कोआगलगाकरसार्करिाचाहताहै, तोवहनिम्ि नियमोंकापालिकरेगा।

(अ) क्जसविाधिकारीकेिे त्राधिकारमेंवहभूशमहो, उससेि जिीकीवि-रिक, विपाल यापररित्रअधिकारीको, आगजलािे सेकमसेकमएकसप्ताहपूवषअपिेइरािे कीसूचिाि ेगा।

(ब) क्जसिेलकोजलाि ाचाहताहै, उससेसंरक्षितविकीओर (30 र्ुट) या 9 मीटर चौड़ीपटटीमेंइसप्रकारसर्ाईकरेगाककआगउसकेपारिर्ै लसके।

(स) जबतेजहवाचलरहीहो, आगिहींलगावेगा।

(2) आरक्षितविसेएकमील (1.6 ककलोमीटर) केभीतरकीभूशमपरआगलगािे काइच्छुकव्यक्ततलकड़ी, घासयाअन्यज्वलिशीलसामग्रीकोढेरोंमेंएकत्रकरेगाऔरइसेएककेबािढेरोंकोऐसेजलावेगाक्जससेआगिर्ै लेऔरसंरक्षितबिकोिुकसाि िपहुँचावे।

(3) ऐसाव्यक्तत, जोसंरक्षितविमेंज्वलिशीलसामग्रीविोपजजैसेघासयाबाँसएकबत्रतकरताहैयाऐसीविोपजएकबत्रतकरिेकाअिुज्ञाि ारीव्यक्तत, संरक्षितबिसेउधचतूरीपर, जोविमण्डलाधिकारीके, सामान्ययाववशशष्टआिेशद्वारानििे शशतहो, उसेस्ािमेंएकबत्रतकरेगा, तर्ाउिकोइसप्रकारअलगरखेगाककउिमेंलगिेसेआगआस-पासिेत्रमेंिर्ै लेएवंसंरक्षितविकोखतरेमेंडाले|

(4) संरक्षितविोंकीसीमापर, याविकेभीतर, याबत्रयोंकोठहरिेकेस्र्लोंको, विमण्डलाधिकारीद्वाराअलगककयाजावेगाऔरउिकोसार्करायाजायगातर्ाइिस्र्लोंकीसूचीप्रनतवर्षप्रकाशशतकीजावेगीऔरऐसेशशववरस्र्लोंकेअनतररततसंरक्षितविकीसीमापरयाविमेंकहींभीआगिहींलगाईजावेगी।इिशशववरस्र्लोंकाउपभोगकरिेवालेव्यक्तत, खािापकािे याअन्य, कायषकेशलयेइसप्रकारआगजलावेंगेक्जससेसंरक्षितवि, याशशववरस्र्लपरक्स्तकोईभवियाअन्यसम्पवत्तकोआगसेिुकसाििपहुँचेतर्ाशशववरछोड़िेकेपूवषसबज्वलिशीलपिार्षकोशशववरकेिेत्रमेंएकबत्रतकरेंगेतर्ासावािािीपूवषकपूरीआगबुझािेंगे।

(5) पदहलीिवम्बरतर्ातीसजूिकेमध्ययाइससेपहलेयाबािकीनतधर्योंमेंजैसाविमण्डलाधिकारीविसंरिककीपूवषअिुमनतसे, िारा 26 (ग)केअन्तगषतनििाषररतकरेंसंरक्षितविमेंयाउसकीसीमापरजलतीआगलेजािा, आगजलािा, यामशाललेजािावक्जषतहोगा।शशववरस्र्लछोड़कर, संरक्षितविमेंउततअवधिमेंिूम्रपािभीवक्जषतहोगा।

(6) कोईभीव्यक्ततसंरक्षितविमेंकोईआगिहींजलावेगा,

औरकोईभीव्यक्ततसंरक्षितविकेपासऐसीआगिहींजलावेगाक्जससेवहााँपड़ीहुईककसीलकड़ीयाि ारा 30केअन्तगषतघोंवर्तसुरक्षितवृि ो ंकोहानिपहुाँचे।

(7) संरक्षितविमेंकोईअधिकारकाउपभोगकररिवालाकोईव्यक्तत, निस्तारसुवविपाि ेवालाव्यक्ततयासंरक्षितविमेंपशुचराि ेकीसुवविाकाउपभोगकररिवालेव्यक्ततकाकत्तषव्यहोगाकक संरक्षितविमेंयाउसकेपासआगलगिेकीजाि कारीहोि ेपरतत्कालिजिकी 'विअधिकारी' कोसूचिाि ेगाऔरविअधिकारीद्वाराअपेि ाकीगईहोयाि हीं।

(i) ऐसीउततआगकोबुझाि े, और

(ii) ऐसेविकेसमीपलगीआगकोविकेभीतरर ैलिसेरोकिेहेतुअपिीपूणष वैि ानिकसाि ि ो ंकेद्वारारोकिेकाकिमउठावेगा।

7. (1) ककसीसंरक्षितविकोआवंदटतग्रामोंमेंनिवासकररिवालेकृर्क, याउसमेंभूशमिारणकररिवाले, याकृवर्शल्पीयामजिूरोंकोतत्समयप्रभावशीलनियमऔरआि ेशोंकेअिुसारउससंरक्षितविमेंपशुचराि ेकीअिुमनतदीजावेगी :

परन्तुविमण्डलाधिकारीकीस्वीकृनतकेअभावमेंकोईभीव्यक्ततघासबीडजलाऊतर् ाचारेहेतुरक्षितित्रपुि रोत्पाि ि एवंवृि ारोपणित्रमेंपशुि हींचरावेगा।वृि ो ंसेआच्छदितश्रेत्रपूवषचारागाहजहााँलागूहै, मेंभेड़, बकरीचराि ावक्जषतहोगा।विमण्डलाधिकारीद्वारानि: शुल्कचराईऔरबबिाप्रनतबन् िचराईहेतुसंरक्षितविकेपहाड़वचटटाि ीि ेत्र; जोववशेर्रूपसेअलगककयेगयेहों, केवलउसमें (भेड़बकरी) चरासकतेहैं।बरसातमें, ककसीभीएकस् ाि परभेड़बकरीकोचराि ेकेशलये, एकसप्ताहसेअधिकठहररि ेि हींदिया

(2) विमण्डलाधिकारीचराईअिुज्ञक्प्तप्रिाय, चराईशुल्कवसूली, पशुओंकीचेककंगकोउसीप्रकारनियंबत्रतकरेगाजैसीआरक्षितविोंकेसम्बन् िमेंहोगी।

(3) ि ूरस् ाि ो ंकेचराईसुवविाप्राप्तपशुओंकेशलयेविमण्डलाधिकारी, विि ेत्रमेंपशुशशववरनिक्श्चतकरेगा।

(4) संरक्षितविोंमेंचराईकेशलये, राज्यशासिद्वारा, समय-समग्रपरजोशुल्कनि ाषररतककयाजायेगा, वहीहोगा।

8. संरक्षितविसेप्रवादहतहोि ेवालीककसीि ि ीमेंमछलीमारिेकेअधिकारकाठेकाि हींदियाजावेगा।

परन्तुविसंरिक, ि ि ीकेसुववदितभागमें, वहााँकेमूलनिवासीमछलीमाररिवालोंकोअिुज्ञक्प्तेकरमछलीमारिेकेअधिकारकोनियंबत्रतकरसकताहै।

परन्तुि ि ीमेंउपयुषततमत्स्यप्रजिि कास् ाि उपलब् िकराि ेकेबाि , तर् ाआस-पासकेनिवाशसयोंकोमछलीकीवास्तववकआवश्यकताकीपूनतषकेउपरान्तहीअिुज्ञक्प्तप्राि कीजायेगी।

(2) ऐसीअिुज्ञक्प्तप्राि कररिकेशलयेकोईशुल्किहींशलयाजायेगा।

9. ग्रामपंचायत, ववकास-मण्डलयाग्रामीणकेपरामशषसेवावर्षकककरायानिक्श्चतकरकेविमण्डलाधिकारी, ि ि ीकीयातालाबकीभूशमकोकाश्तकारीकेशलये, उिव्यक्ततयोंकोजोप्राय: उततभूशमपरकाश्तकरतेरहेहोकाश्तकारीकेशलयेवंटिकरसकेगा।

10.अधिनियमकीि ारा 26(1) और 76 केअन्तगषतबिायेगयेनियमजोक्जसप्रकारमहा-कौशलयित्रमेंप्रभावशीलहै, वेउसीप्रकारयर् ावश्यकपररवतषिसदहतसंरक्षितविोंमेंप्रवृत्तहोंगेजैसेआरक्षितविोंकेसम्बन् िमेंप्रवृत्तहोतेहैं।

11. आरक्षितविोंअशशष्टमें ''विग्रामों" शशष्टकीस् ापिाकेशलयेजोप्रकक्रयाि ीहै, उसीकेअिुसारसंरक्षितविोंमेंभी "विग्राम" स् ावपतककयेजासकतेहैं।

12.वृि औरइमारतीलकड़ीकीकटाई, धचराई, पररवतषिएवंहटाि ातर् ाविउपजकासंग्रहण, निमाषणऔरपररवतषि, घासकाटिा, पशुचराि ायर् ाशतयराज्यशासिद्वारास्वीकृतकायषकरणयोजियाकायषआयोजिकेप्राविाि ाअिुसारजोइिनियमोंसेअसंगतिहो, नियंबत्रतहोगा।